गांगेय डाल्फिन (सोंस) Platanista gangetica gangetica के रेस्क्यू एवं अन्तरण (Translocation)

गांगेय डाल्फिन / सोंस (Platanista gangetica gangetica) हमारे देश का राष्ट्रीय जलीय जंतु है, लेकिन इसके रेस्क्यू / अंतरण (Translocation) हेतु कोई मान्य स्थापित प्रक्रिया (Standard Perating Procedure) कहीं भी वर्णित नहीं है और सामान्यतः डाल्फिन का अन्तरण भी नहीं किया जाता है। लेकिन कभी–कभी ऐसी बाध्यकारी परिस्थितियॉ उत्पन्न हो जाती हैं कि डाल्फिन का रेस्क्यू एवं अंतरण (Translocation) की आवश्यकता हो जाती है। ऐसे में एक मार्गदर्शिका का होना आवश्यक है।

पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार सरकार के द्वारा दिनांक 09.03.2013 दो डाल्फिन को डोंक नदी, बल्दिया हाट, किशनगंज से निकाल कर वहॉ से करीब 20 किलोमीटर दूर खरना पुल तैयबपुर के पास महानंदा नदी में छोड़ा (Translocate) गया। डाल्फिन को पकड़ने एवं अन्तरित (Translocate) करने हेतु कोई Standard operating procedure अथवा Guideline उपलब्ध नहीं है। अतः इस ऑपरेशन को प्रारंभ करने में पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार को काफी सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। विभाग द्वारा डाल्फिन को ''सूखे विधि'' (Dry Method) से परिवहन करके अन्तरित किया गया। इस कार्य की सराहना सरकार के स्तर से भी की गई। माननीय मुख्यमंत्री, बिहार एवं माननीय मंत्री, पर्यावरण एवं वन, बिहार सरकार के द्वारा भी इस कार्य से संबंधित विडियों एवं फोटो को देखा गया। माननीय मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा सेवा यात्रा के क्रम में इस ऑपरेशन का विडियो देखने के बाद विभाग की प्रशंसा की गई एवं एक डाल्फिन के रेस्क्यू एवं अन्तरण हेतु विभाग द्वारा एक Standard Operating Procedure (SOP) तैयार करने की भी अपेक्षा उनके द्वारा की गई।

डोंक नदी के उक्त स्थल पर करीब एक सप्ताह तक कैम्प किया गया एवं बारीकी से डाल्फिन से संबंधित विभिन्न बिंदुओ का अध्ययन किया गया। डाल्फिन को महानंदा नदी में छोड़ने हेतु कई स्थानों में से एक सबसे उपर्युक्त स्थल का चुनाव किया गया। डाल्फिन के सुरक्षित ढंग से पकड़ने एवं इसके समुचित परिवहन आदि से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं का अध्ययन करके एक कार्य योजना तैयार की गयी। इस कार्य योजना के सफल कार्यान्वयन हेतु विस्तृत तैयारी प्रारंभ की गयी एवं एक सप्ताह के अंदर विभिन्न उपकरण (Logistics) को कल्पना एवं अनुभव के आधार पर स्थानीय स्तर पर ही

तैयार कराया गया। डाल्फिन को सावधानीपूर्वक पकड़ने हेतु 25 मछुआरों की एक टीम को इस कार्य हेतु विभाग द्वारा विशेष रुप से प्रशिक्षित किया गया । इसके पश्चात दिनांक 09.03.2013 को डाल्फिन को अन्तरित करने हेतु "Operation Dolphin at Baldiya Hat, Kishanganj " प्रारंभ किया गया एवं केवल चार घंटे के प्रयास के बाद दोनों डाल्फिन को डोंक नदी से सफलता पूर्वक निकाल करके उन्हें महानन्दा नदी में अंतरित (Translocate) कर दिया गया।